

डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 24, पुरातत्व और मृत सागर स्क्रॉल, भाग 2

© 2024 जेफरी हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 24 है, पुरातत्व और मृत सागर स्क्रॉल, भाग 2।

ठीक है। मेरे पास इस पॉवरपॉइंट पर खिरबेट कुमरान की खुदाई और आंशिक रूप से बहाल होने के बाद की साइट की एक उत्कृष्ट हवाई तस्वीर है। और हम बस इसे देखेंगे और बस कुछ शब्द कहेंगे। यह, फिर से, सड़क है, आधुनिक सड़क जो मृत सागर के पश्चिमी तट और स्थल के ऊपर एकड़ की घाटी तक ढलान की ओर जाती है।

और फिर वाडी कुमरान इस वाडी से होते हुए इस दिशा में नीचे आती है और बाहर आती है। और यहीं पर, फिर से, एस्सेन्स या डेड सी स्क्रॉल समुदाय ने पानी को पकड़ने के लिए बांधों का निर्माण किया और फिर पानी को एक जलसेतु के माध्यम से साइट के विभिन्न कुंडों में लाया। और, निःसंदेह, उनका उपयोग किया गया था।

यहां एक लंबी दीवार है जिसकी खुदाई की गई थी, और मैं अनिश्चित हूं कि क्या उन्होंने कभी इसका कारण निर्धारित किया है। फिर, नीचे दक्षिण में ईन फ़ेश्खा की एक साइट है, जो एक झरना है, और उसी समय वहाँ अन्य गतिविधियाँ और संरचनाएँ भी थीं। ध्यान दें, कि परिसर का यह कोना एक टावर है, और यह मेरा तर्क है कि यह टावर, अपने आकार और शैली के कारण, जरूरी नहीं कि दूसरे मंदिर काल के दौरान या बल्कि एस्सेन्स या डेड सी स्क्रॉल द्वारा बनाया गया हो। समुदाय, लेकिन वास्तव में पुराना हो सकता है और पुराने नियम काल का हो सकता है।

यहां एक कलाकार का चित्र या साइट का पुनर्निर्माण है। फिर, टावर और साइट की विभिन्न इमारतों और कमरों का उपयोग पहली शताब्दी ईसा पूर्व और पहली शताब्दी ईस्वी के दौरान एक धार्मिक समुदाय के रूप में किया गया था। फिर से दक्षिण की ओर देखने पर आप यहां मृत सागर का मैदान और मृत सागर का किनारा देख सकते हैं।

फिर, प्राचीन काल में, यहाँ तक कि आधुनिक समय में भी, मृत सागर बहुत करीब रहा होगा, लेकिन मृत सागर का जल स्तर लगातार कम होने के कारण यह सिकुड़ता जा रहा है। फिर, ये अलग-अलग कमरे हैं, और इनकी व्याख्या उत्खननकर्ताओं और उन लोगों द्वारा विभिन्न तरीकों से की गई है जिन्होंने परिणामस्वरूप साइट का अध्ययन किया है। यहां जल चैनलों में से एक है, जो ढलान के नीचे बांधों के पीछे कैद किए गए पानी से पानी को विभिन्न जलाशयों, पूलों और मिकवेट में लाता है, जिनमें से एक यहां है।

आप सीढ़ियों को नीचे की ओर जाते हुए देख सकते हैं, और वे, निश्चित रूप से, अनुष्ठानिक स्नान या बपतिस्मा हैं जिनका उपयोग समुदाय अनुष्ठानिक रूप से खुद को शुद्ध करने के लिए करता

है। यहां मिकवे की एक और तस्वीर है और आप दीवारों पर कुछ प्लास्टर देख सकते हैं जो बच गया है। अब, इस साइट की पहचान कैसे की जाए, इस पर काफी तर्क-वितर्क हुआ है।

इस पर बहस होती रही है कि क्या यह विभिन्न उपयोगों के लिए उपयुक्त होगा और इसलिए विभिन्न विद्वान इस पर अलग-अलग तरीकों से विश्वास करते हैं। पहला सवाल यह है कि क्या खिरबेट कुमरान पास की गुफाओं में पाए गए स्क्रॉल से संबंधित या जुड़ा हुआ है? इस पर भी बहस हो चुकी है। वास्तव में, एक इज़राइली विद्वान ने तर्क दिया था कि एसेन समुदाय, जिसका उल्लेख एक रोमन इतिहासकार ने किया है, वास्तव में कुमरान में नहीं रहता था, बल्कि दक्षिण में एनगेदी में रहता था क्योंकि रोमन स्रोत का कहना है कि समुदाय एनगेदी के ऊपर रहता था।

उन्होंने इसकी व्याख्या उत्तरी दिशा के बजाय ऊंचाई के रूप में की, लेकिन इसे व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। मेरा मानना है कि इस साइट और गुफाओं के बीच इतने सारे संबंध हैं कि इसे खारिज किया जा सकता है, गुफाओं और स्क्रॉल के साथ कोई संबंध नहीं बचा है। मेरा मानना है कि दोनों बहुत-बहुत अच्छे से जुड़े हुए हैं।

उन पर एक ही समय में कब्जा कर लिया गया था। गुफाओं में दबी हुई कई पांडुलिपियाँ कुमरान समुदाय या किर्बे से सटी हुई हैं। गुफाओं से बरामद मिट्टी के बर्तन कुमरान में पाए गए मिट्टी के बर्तनों से मेल खाते हैं।

शायद उतना मजबूत सबूत नहीं है, लेकिन कुमरान में शास्त्रीय गतिविधि, मिट्टी के बर्तनों के उत्पादन और सामुदायिक जीवन के सबूत हैं, विशेष रूप से, मुझे लगता है, एएन मिकवेट या अनुष्ठान स्नान के रूप में महत्वपूर्ण हैं। वहाँ स्याही के कुएँ रहे हैं, जिन्हें हम भविष्य की स्लाइड में देखेंगे, लेकिन पहले, विद्वानों ने सुझाव दिया था कि उन्हें मेज़ और कुर्सियाँ मिली हैं, और वे पाठ लिखने या प्रतिलेखन के लिए उपयोग में नहीं आती हैं। प्लिनी द एल्डर ने फिर से उल्लेख किया है कि एसेन समुदाय मृत सागर के तट पर रहता था।

यह वही है जो एक इज़राइली विद्वान ने कुमरान के बजाय छोटी कोशिकाओं या गुफाओं में कुमरान के ऊपर पहचाना था। अंत में, स्क्रॉल के बीच सांप्रदायिक साहित्य आम तौर पर एस्सेन्स के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें फिट बैठता है, इसलिए उस रोमन इतिहासकार और उसके बयान को कुमरान समुदाय के साथ जोड़ना एक अच्छा फिट लगता है। अन्य विद्वानों ने सुझाव दिया कि कुमरान एक विशिष्ट विला था, और आपको यहां कुछ अच्छे स्तंभ आधारों के कुछ सबूत मिले हैं जो वास्तव में एक मठवासी सौंदर्य समुदाय में जगह से बाहर लगते हैं, लेकिन फिर भी, वे वहां हैं।

ये दोनों वास्तव में कुछ समय के लिए खुदाई की अंतिम रिपोर्ट पर काम कर रहे थे, इससे पहले कि उन्हें बदल दिया गया या वह काम छोड़ दिया गया, लेकिन कुलीन प्रकार के सामान और फिर से इन स्तंभ आधारों जैसे वास्तुकला के लिए कुछ सबूत हैं। तो यह भी एक विचार है, हालाँकि मुझे नहीं लगता कि बहुत से लोग इसका समर्थन करते हैं। कुमरान एक किला या कारवां सराय है।

यह शिकागो विश्वविद्यालय के विद्वान नॉर्मन गोल्बे द्वारा प्रस्तावित है, और फिर, आपको यह टावर यहां मिला है, और इसे फिर से ग्लेशिस के साथ पुनर्निर्मित किया गया है। ऐसा प्रतीत नहीं होता कि शेष बस्ती रक्षात्मक उद्देश्यों के लिए बनाई गई है। अब, कोई भी उस टावर को देख सकता है और कह सकता है कि यह किसी प्रकार का संदेह या पकड़ या मजबूत बिंदु था कि अगर कोई खतरा होता तो समुदाय पीछे हट सकता था, लेकिन फिर, वहां अन्य सबूत भी हैं जो उस प्रकार से मेल नहीं खाते हैं साइट के लिए किसी किले या किसी भी प्रकार के सैन्य उद्देश्य का विचार।

इसके अलावा, नए नियम की अवधि के दौरान, कुमरान की साइट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साइट नहीं थी, सिवाय इस तथ्य के कि यह उस सड़क के पास स्थित थी जो मृत सागर के किनारे जाती थी। हालाँकि, पुराने नियम के काल में, यह अक्सर अपने अंतिम वर्षों में यहूदा राज्य के लिए एक सीमा चौकी के रूप में काम करता था। 7वीं सदी और 6ठी सदी की शुरुआत में, यहूदा की सीमा जॉर्डन घाटी के साथ-साथ मृत सागर और उत्तर में थी।

बाद में या पहले, वह आवश्यक रूप से सीमा नहीं थी, लेकिन इस समय, वह थी, इसलिए उस समय के दौरान, राजशाही के अंत में, सीमा चौकी या सैन्य प्रतिष्ठान के रूप में इस पर कब्ज़ा किया जा सकता था। परिसर में स्कॉल और स्कॉल टुकड़े की कमी अपेक्षित है। हालाँकि, कई इंकवेल एक गैरीसन सैन्य चौकी से परे लिपिबद्ध गतिविधि की पुष्टि करते हैं। कुमरान के थोड़ा पूर्व में एक कब्रिस्तान था, और 1,200 कब्र टीलों की पहचान की गई थी, और कई की खुदाई की गई थी, लेकिन ये युद्ध के हताहत नहीं थे।

जो कब्रें हैं, जिन शवों का अध्ययन किया गया है और देखा गया है, उनसे जाहिर तौर पर वे शांति से मर गए। तो हाँ, इस व्याख्या के साथ भी कुछ मुद्दे हैं। डेवोस ने, जब कुमरान की खुदाई की, तो उन्होंने उस चीज़ की पहचान की जिसे उन्होंने स्कॉल के उत्पादन के लिए स्क्रिप्टोरियम या पांडुलिपि केंद्र कहा था, और यहां इसका पुनर्निर्माण किया गया है।

फिर से, इन तालिकाओं और टेबलटॉपों का उपयोग किया गया, जिनके कुछ हिस्सों की पहचान की गई और खुदाई की गई; इस बात पर बहस चल रही है कि क्या वास्तव में उनका उपयोग उस संबंध में किया गया था। हालाँकि, अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये स्याही के कुँए थे, और इनमें से कुछ फिर से पुरावशेष बाज़ार से आए थे। यह यहाँ एक कांस्य है; कुछ सिरेमिक थे, और यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण खोज है जो साइट को स्कॉल से जोड़ती है।

इसलिए, दुर्भाग्य से, फिर से, वे आवश्यक रूप से यथास्थान नहीं पाए गए, लेकिन वे साइट से आए थे। जब एक ओस्ट्राकॉन पाया गया, तो काफी उत्साह था, एक स्कॉल नहीं, बल्कि फ्लोरिडा के एक पुरातत्वविद् जेम्स स्ट्रेंज द्वारा साइट पर एक ओस्ट्राकॉन पाया गया था, और इसका अध्ययन फ्रैंक मूर क्रॉस और एस्थर एशेल दोनों द्वारा किया गया था और विडंबना यह है कि यह पढ़ना इस पर एक अन्य इजरायली अभिलेखकार एडा यार्डेनी ने विवाद किया था, लेकिन इसे और अधिक देखने पर पता चलता है कि यह लिपि वास्तव में उन कुशल लिपिक हाथों से मेल नहीं खाती है जिन्हें हम स्कॉल पर देखते हैं। तो फिर, दुर्भाग्य से, इससे बहुत सारी जानकारी प्राप्त नहीं की जा सकती, हालाँकि यह एक महत्वपूर्ण खोज है।

मैंने पहले उल्लेख किया था कि जब डेवॉक्स और उनकी टीम खिरबेट कुमरान की साइट की खुदाई कर रही थी, तो उन्होंने मैनुअल श्रम करने के लिए खुदाई में मदद करने के लिए स्थानीय बेडौइन की मदद ली थी, और इसलिए जब डेवॉक्स और उनकी टीम यरूशलेम वापस चली गई थी शाम को, बेडौइन बस स्विंग शिफ्ट और कब्रिस्तान शिफ्ट में बदल गया और साइट के पीछे छत के साथ गुफाओं की खुदाई शुरू कर दी। इनमें से सबसे प्रसिद्ध गुफा संख्या चार थी, जहां हम कहेंगे कि मदर लॉड की खोज की गई थी। अधिकांश स्कॉल गुफा चार में, जाहिरा तौर पर बेतरतीब ढंग से, फेंक दिए गए थे, इससे पहले कि हम मानते कि रोमनों ने प्रवेश किया या साइट के पास पहुंचे।

और जब तक गुफा की 90% खुदाई अवैध रूप से, अनुचित तरीके से नहीं की गई, तब तक कर्मचारियों या डेवॉक्स और उनके कर्मचारियों को एहसास नहीं हुआ कि क्या हो रहा था, और इसलिए वे केवल गुफा के बहुत निचले स्तर की खुदाई करने में सक्षम थे। फिर भी, उन्हें कुछ बेशकीमती चीजें मिलीं। अधिकांश स्कॉल फिर से भयानक आकार में थे, उन पर चमगादड़ की बूंदों और मूत्र के साथ-साथ 2,000 साल पुरानी धूल के टुकड़े थे।

गुफा की छत लगातार गिरती रही और इसलिए स्कॉल के ऊपर विभिन्न स्तरों पर मलबा था। लेकिन फिर, यह समुदाय के स्कॉलों के लिए गुफाओं का मातृ स्थान था। अंत में, हम मृत सागर स्कॉल और नैश पेपिरस नामक पांडुलिपि पर आते हैं।

इसकी खोज मिस्र के फ़यूम में मृत सागर स्कॉल से दशकों पहले की गई थी। यह नील घाटी के पश्चिम में दलदली अवसाद है, जो बार योसेफ नामक नहर द्वारा नील नदी से जुड़ा हुआ है। बाइबिल में जोसेफ के साथ दिलचस्प संबंध हैं।

खैर, नाम बहुत बाद का है, इसलिए मैं वास्तव में वह संबंध नहीं बना सकता। लेकिन इसकी खोज 1893 में हुई थी और यह डिकालॉग और शेमा का थोड़ा संक्षिप्त रूप है। अलब्राइट ने इसे लिखा और 1937 में इसे प्रकाशित किया।

उन्होंने पाठ, पत्रों और शब्दावली के आधार पर इसका समय लगभग 150 से 100 ईसा पूर्व बताया। मृत सागर स्कॉल की खोज तक, इसे सबसे पुराना बाइबिल पाठ माना जाता था। यह पाठ बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि इसका उपयोग मृत सागर स्कॉल की लिपियों से तुलना करने के लिए किया गया था।

निःसंदेह, इस पर बहुत सारा काम फ्रैंक मूर क्रॉस द्वारा किया गया था। वे, आंशिक रूप से इस पुराने नैश पेपिरस के आधार पर, इन डेड सी स्कॉल ग्रंथों की डेटिंग को पहचानने में सक्षम थे, जो नैश पेपिरस के समकालीन या शायद उससे भी पहले के होंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 24, पुरातत्व और मृत सागर स्कॉल, भाग 2 है।